पाठ 19

यातायात के साधन

रमेश और सरिता की गर्मियों की छुट्टियाँ शुरू हो गईं थी। दोनों बहुत खुश थे क्योंकि उनके पिता जी अगले दिन उन्हें आबू पर्वत घुमाने के लिए ले जाने वाले थे। दोनों दिनभर जाने की तैयारी करते रहे। उन्हें रात को रेलगाड़ी से जाना था।

चित्र 19.1 घुमावदार रास्तों से जाती हुई बस

रेलवे स्टेशन तक जाने के लिए उनके पिता जी ने ऑटो–रिक्शा मँगवाया। वे ऑटो रिक्शा से बीकानेर जंक्शन पहुँचे। अपने निर्धारित समय पर रेलगाड़ी स्टेशन पर पहुँच गई। वे आरक्षण सूची में अपना नाम और सीट नंबर देखकर, निर्धारित स्थान पर बैठ गए। रेलगाड़ी बीकानेर से रवाना हुई। वे दोनों खिड़की के पास वाली सीट पर बैठ गए। रात बहुत हो चुकी थी। बाहर कुछ दिखाई नहीं दे रहा था। इसलिए वे दोनों अपनी सीटों पर आकर

सो गए। सुबह हो गई थी। दोनों की नींद खुली तब पाली स्टेशन आ गया था। वे दोनों खिड़की के बाहर देख रहे थे। लंबे समय बाद गाड़ी एक स्टेशन पर रुकी, तो पिता जी ने बताया कि आबूरोड़ आ गया है। हमें यहाँ उतरना होगा। वे सभी आबूरोड़ स्टेशन पर उतर गए। वहाँ से उन्हें आबू पर्वत जाना था। वे बस स्टेण्ड से आबू पर्वत जाने वाली बस में बैठ गए। तलहटी से आबू पर्वत का रास्ता घुमावदार था। वे तलहटी से पहाड़ी के घुमावदार रास्तों द्वारा आबू पर्वत पहुँच गए।

आबू पर्वत पहुँच कर उनके पिता जी ने वहाँ पर टेक्सी किराये पर ली। फिर वे होटल पहुँच गए, जहाँ उन्हें ठहरना था।

सोचिए और लिखिए

- रमेश और सरिता ने घर से आबू पर्वत के होटल तक पहुँचने में किन–किन यातायात के साधनों का उपयोग किया ?

  .....

  .....

- आपने किन–किन स्थानों की यात्राएँ की हैं?

  .....

  .....

- आपने ये यात्राएँ किसलिए की हैं?

  .....

  .....

- आप अपने गाँव या शहर में एक स्थान से दूसरे स्थान तक जाने के लिए किन–किन साधनों का उपयोग करते हैं?

  .....

  .....

- आप यातायात के साधनों का उपयोग कब–कब करते हैं ?

  .....

  .....

नीचे यातायात के कुछ साधनों के चित्र दिए गए हैं। इनमें रंग भरिए और पहचान कर उनका नाम लिखिए।

.....

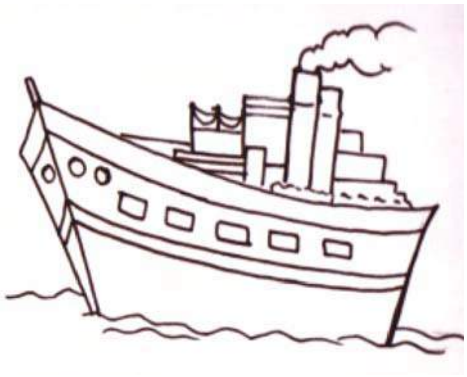

.....

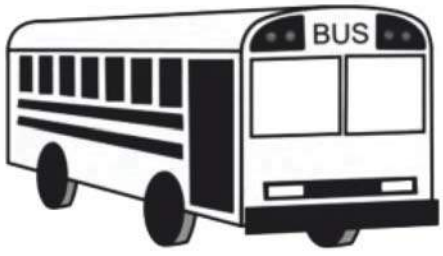

.....

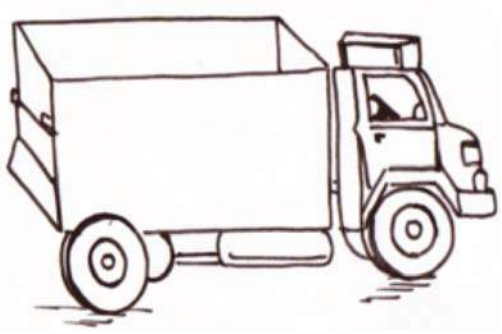

.....

चित्र 19.2 यातायात के साधन

देखिए और लिखिए

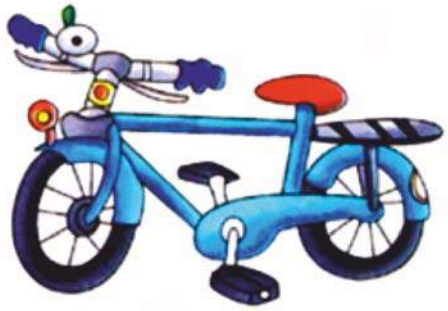

.....

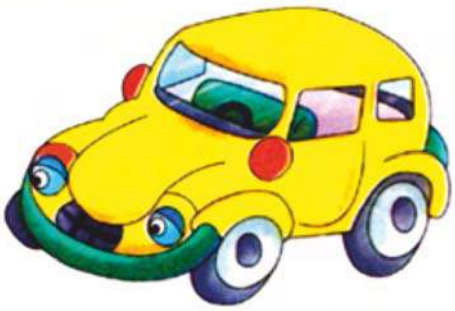

.....

.....

.....

.....

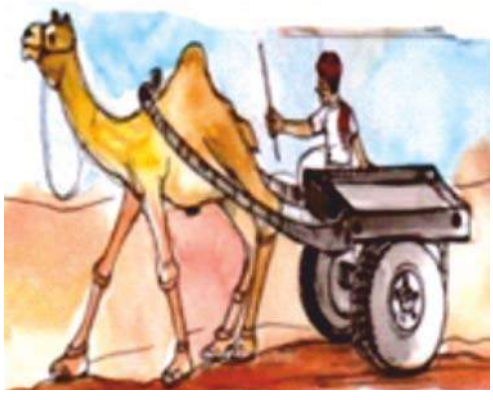

.....

चित्र 19.3 यातायात के साधन

वाहन

- जो सिर्फ सवारी ढोने के काम आते हैं।
- जो सिर्फ माल ढोने के काम आते हैं।
- जो सवारी और माल दोनों को ढोने के काम आते हैं।

यातायात के बदलते साधन

चित्र 19.4 साइकिल का पहिया

चित्र 19.5 कार का पहिया

बहुत समय पहले मनुष्य एक स्थान से दूसरे स्थान तक पैदल चलकर ही जाते थे। जिसमें बहुत अधिक समय लगता था। इसके बाद जानवरों का उपयोग होने लगा। अपने समय को बचाने के लिए मनुष्य ने पहिये की खोज की। आज पहिये के बल पर ही दुनिया चल रही है। आओ, हम भी देखें पहिये से काम कैसे सरल होता है

यह भी कीजिए

अपनी एक किताब को मेज की सतह पर रखकर अंगुली से धक्का लगाइए। अब किताब के नीचे तीन–चार पेन्सिल चित्रानुसार रखकर पुनः किताब को उसी प्रकार धक्का लगाइए।

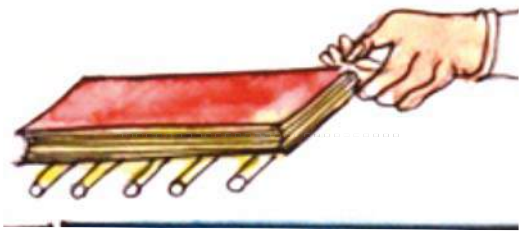

चित्र 19.6 पेंसिल पर किताब सरकाते हुए

- किस स्थिति में किताब ज्यादा आसानी से खिसकती है?

  .....

- आपने पहिये को कहाँ–कहाँ देखा है बताइए?

  .....

- यदि पहिया नहीं होता तो क्या होता?

  .....

पहिये का आविष्कार होने के बाद यातायात के साधनों में भी बदलाव होता गया। पहले पहिये को खींचने के लिए मनुष्य एवं पशुओं का उपयोग किया जाता था। आज भी सामान ढोने के लिए कहीं–कहीं इनका उपयोग किया जाता है।

अब यातायात के लिए साइकिल, मोटर साइकिल, बस, रेल, हवाई जहाज और पानी के जहाज आदि का उपयोग किया जाता है।

सोचिए और लिखिए

1. निम्न में से कौन से साधन के द्वारा कम समय में अधिक दूरी तय की जा सकती है?

(अ) बस **(ब)** रेलगाड़ी **(स)** बैलगाड़ी **(द)** हवाई जहाज ( )

2. किस साधन में अधिक सवारियाँ बिठाई जा सकती हैं?

(अ) ऑटो **(ब)** जीप **(स)** कार **(द)** बस ( )

3. निम्नांकित तालिका में वाहनों के पहिये की संख्या बताइए।

क्र.सं.	वाहन	पहियों की संख्या
1.	स्कूटर	
2.	बस	
3.	बैलगाड़ी	
4.	ठेला गाड़ी	
5.	ऑटो रिक्शा	

- क्या आपने कभी लोगों को किसी जानवर की सवारी करते हुए देखा है? यदि हाँ, तो उन जानवरों के नाम लिखिए।

  ——————————————————————————————

- अखबार व पत्र–पत्रिकाओं से यातायात के साधनों के चित्र काटकर चार्ट पर चिपका कर अपनी कक्षा में लगाइए।

कैसे चले सड़क पर ?

आवागमन के लिए जल, स्थल एवं वायु मार्ग काम में लिए जाते हैं। इनमें से रेल और सड़क यातायात को अधिकांश लोग उपयोग में लेते हैं। हमारे राज्य में अब गाँव–गाँव तक पक्की सड़क पहुँच गयी है। सड़क पर चलते हुए आपने कई संकेतों के बोर्ड सड़क के किनारे लगे हुए देखे होंगे।

इनमें से कुछ संकेतों के चिह्न नीचे दिए गए हैं। उनको पहचानिए और उनके क्या अर्थ है ? इस पर अपनी कक्षा में चर्चा कीजिए

चित्र 19.7 यातायात के संकेत

इन संकेतों का पालन करने के अतिरिक्त हमें सड़क पर चलते हुए सड़क के नियमों का पालन भी करना चाहिए, ताकि दुर्घटना से बचा जा सके।

सड़क सुरक्षा के नियम

- सड़क पर हमेशा बायीं तरफ चलें।
- पैदल चलने के लिए फुटपाथ का उपयोग करें।
- चौराहें पर सड़क पार करते समय ज़ेब्रा लाईन का उपयोग करे।
- सड़क पार करते समय पहले दायें, फिर बायें देख कर तय कर लें कि दोनों ओर से कोई वाहन नहीं आ रहा है। तब सड़क पार करें।

शिक्षक निर्देश – यातायात के संकतों का चार्ट कक्षा में लाकर चर्चा कर उन्हें संकेत के अर्थ बताएँ।

हमने सीखा

- पहले मनुष्य एक स्थान से दूसरे स्थान तक पैदल जाया करते थे, पहिये के आविष्कार के बाद यातायात के साधनों का निर्माण हुआ। जैसे– बैलगाड़ी, ऊँटगाड़ी, तांगा आदि।
- अब यातायात के लिए साईकिल, मोटर साईकिल, बस, रेल, हवाई जहाज आदि का उपयोग किया जाता है।
- गाँव–गाँव में पक्की सड़क का निर्माण हुआ है।
- सड़क पर कई सकेंतो के बोर्ड लगे होते हैं, जो हमें आगे आने वाली परिस्थिति से अवगत कराते हैं। जैसे–रेलवे क्रॉसिंग, गुफा, बेरियर, चढ़ाई, दाएं, बाएं, मुड़ाव आदि।

सड़क सुरक्षा – जीवन रक्षा

सावधानी हटी,
दुर्घटना घटी